



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 13 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1445 घंटे

- विषय:** (i) मध्य प्रदेश, विदर्भ, कोंकण, सौराष्ट्र और कच्छ में 13 मार्च को, ओडिशा में 13 और 14 मार्च को, झारखंड में 14 और 15 मार्च को लू से भीषण उष्ण लहर चलने की संभावना है, जिसके बाद स्थिति में सुधार होगा।
- (ii) अरुणाचल प्रदेश में 13 मार्च को और 14 से 16 मार्च के दौरान भारी वर्षा की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी 13 और 16 मार्च को, तथा असम और मेघालय में 13 से 15 मार्च के दौरान भारी वर्षा की संभावना है।
- (iii) पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और उससे सटे मैदानी इलाकों में 15 और 16 मार्च को ओलावृष्टि के साथ-साथ गरज, बिजली और तेज हवाओं की संभावना है।

आज, 13 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- विदर्भ के कुछ इलाकों में, पश्चिमी मध्य प्रदेश के छिटपुट इलाकों में और सौराष्ट्र एवं कच्छ में उष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- असम, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट स्थानों पर 12-20 सेमी तक भारी वर्षा दर्ज की गई है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- गुजरात, विदर्भ, ओडिशा, रायलसीमा और मराठवाड़ा राज्यों में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 38-42°C के बीच रहा; मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के यनम में कुछ स्थानों पर; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, कोंकण और गोवा, पूर्वी राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर; पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर 35-38°C; पश्चिमी राजस्थान, केरल और माहे में कुछ स्थानों पर; दिल्ली, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में छिटपुट स्थानों पर भी यही तापमान रहा। कल, **अमरावती (विदर्भ)** में अधिकतम तापमान **42.2°C** दर्ज किया गया।
- हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब के कुछ स्थानों पर; उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और विदर्भ के छिटपुट स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; पूर्वी मध्य प्रदेश और गुजरात राज्य के अधिकांश स्थानों पर; पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर; मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर; छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के कुछ स्थानों पर यह सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, बिहार और झारखंड के कुछ स्थानों पर; रायलसीमा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के शेष भागों में यह सामान्य के आसपास रहा।
- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, विदर्भ, महाराष्ट्र और सिक्किम में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 14-18°C के बीच रहा। बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, कोंकण और गोवा, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, केरल और माहे, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप को छोड़कर देश के शेष मैदानी क्षेत्रों में तापमान 18-22°C के बीच रहा, जहां यह 22-27°C

के बीच था। आज भारत के मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान **12.0°C गुरदासपुर (पंजाब)** में दर्ज किया गया।

- न्यूनतम/रात्रि का तापमान पश्चिमी राजस्थान और बिहार में सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; मध्य प्रदेश, ओडिशा, गुजरात राज्य, महाराष्ट्र, असम और मेघालय, तेलंगाना में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- मध्य स्तरीय क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग 74° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 34° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- मध्य असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- लक्षद्वीप और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है और पूर्वी हवाओं में एक गर्त इस चक्रवाती परिसंचरण से मराठवाड़ा, केरल और आंतरिक कर्नाटक होते हुए निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैला हुआ है।
- निचले स्तर की पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 22° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- झारखंड से विदर्भ तक छत्तीसगढ़ होते हुए निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- मन्नार की खाड़ी और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- उत्तर-पश्चिमी भारत में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 95 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम चल रही है।
- 14 मार्च 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 14 मार्च तक छिटपुट हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है। 15 से 19 मार्च के दौरान इस क्षेत्र में बारिश बढ़कर छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हो सकती है। 15 और 16 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में तथा 14 मार्च को उत्तराखंड में गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 15 से 19 मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में; उत्तर प्रदेश में 15 और 16 मार्च को; राजस्थान में 13 और 14 मार्च को छिटपुट हल्की बारिश, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके आ सकते हैं) चलने की प्रबल संभावना है।
- 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 16 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 13 से 19 मार्च के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13 से 15 मार्च के दौरान 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

- 13 से 16 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश/बर्फबारी की प्रबल संभावना है, जिसमें 13 मार्च को भारी से बहुत भारी बारिश/बर्फबारी होगी।
- 13 से 15 मार्च के दौरान असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 15 मार्च को पश्चिमी मध्य प्रदेश में, 15 और 16 मार्च को पूर्वी मध्य प्रदेश में, 14 से 17 मार्च तक विदर्भ में, 15 से 17 मार्च तक ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड में, 13 से 19 मार्च तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 15 से 17 मार्च और 19 मार्च को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, और 15 से 18 मार्च तक बिहार में छिटपुट से मध्यम हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 13 और 16 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी वर्षा की प्रबल संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 15 से 17 मार्च के दौरान तेलंगाना में छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है; 16 और 17 मार्च को केरल और माहे में; 17 मार्च को तमिलनाडु और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 16 से 19 मार्च के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 17 से 19 मार्च के दौरान रायलसीमा में गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- मराठवाड़ा में 14 से 19 मार्च के दौरान और मध्य महाराष्ट्र में 15 से 17 मार्च के दौरान गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले दो दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अधिकतम तापमान में 3-4°C की क्रमिक वृद्धि और उसके बाद के पांच दिनों में 4-6°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है।
- अगले सात दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान में 3-5°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है, सिवाय पूर्वी उत्तर प्रदेश के, जहां अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के तीन दिनों में 2-4°C की क्रमिक गिरावट और उसके बाद लगभग 2°C की क्रमिक वृद्धि होगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा; उसके बाद के चार दिनों में 3-4°C की क्रमिक गिरावट और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले दो दिनों के दौरान पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि; उसके बाद के दो दिनों में 2-3°C की क्रमिक गिरावट और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 3 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के 4 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- अगले 2 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है; उसके बाद के 3 दिनों में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 मार्च को कुछ इलाकों में भीषण उष्ण लहर की संभावना है।
- ओडिशा में 13 और 14 मार्च को, मध्य प्रदेश, विदर्भ, कोंकण, सौराष्ट्र और कच्छ में 13 मार्च को, और झारखंड में 14 और 15 मार्च को कुछ इलाकों में उष्ण लहर की संभावना है।
- गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा के तटीय क्षेत्रों में 13 और 13,14 मार्च को केरल में गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 13 से 16 मार्च 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

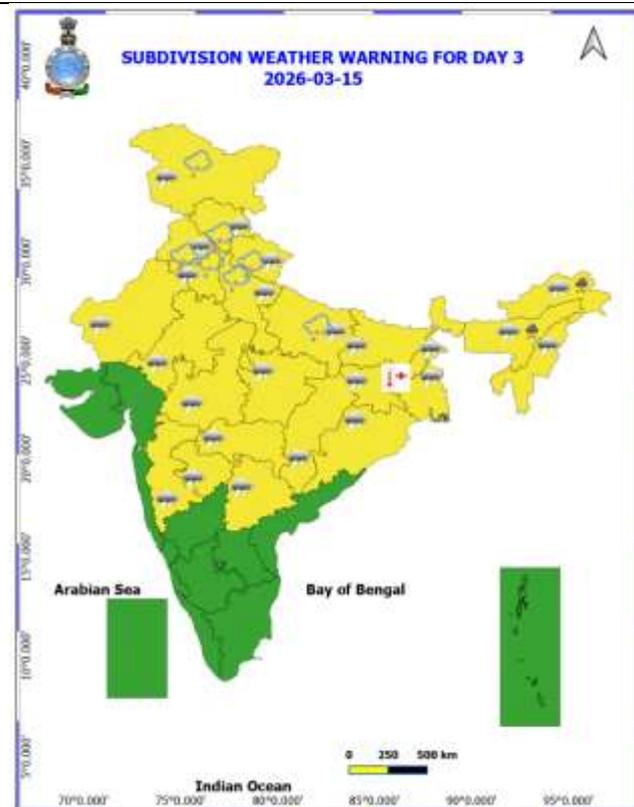
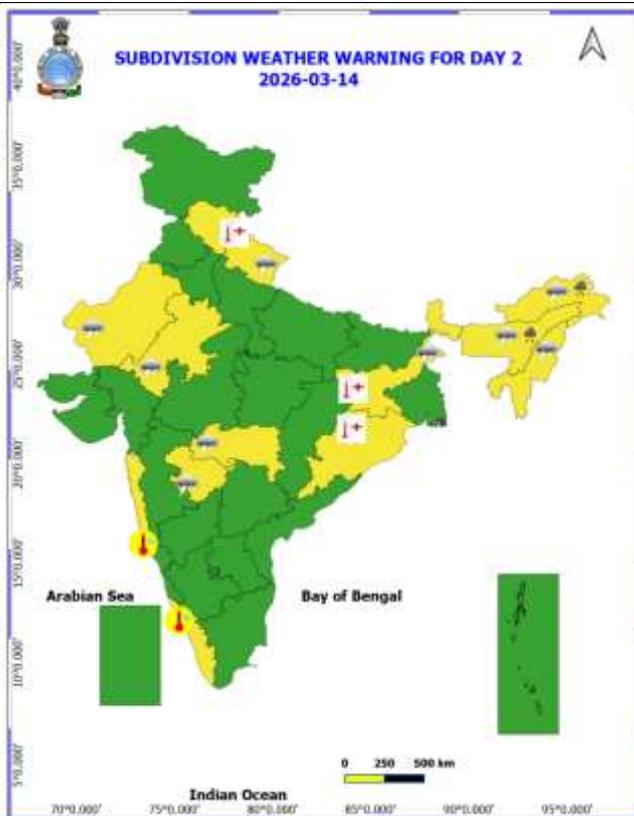
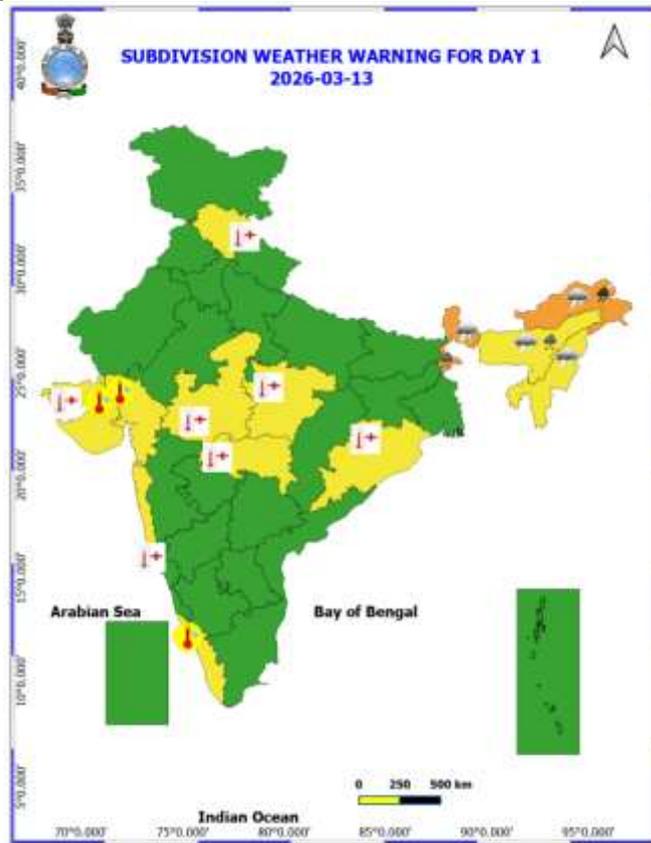
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

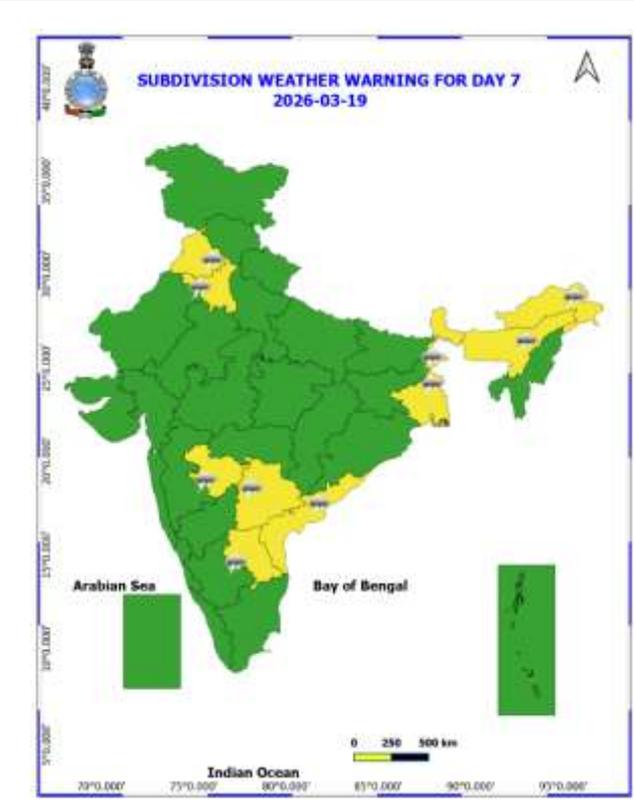
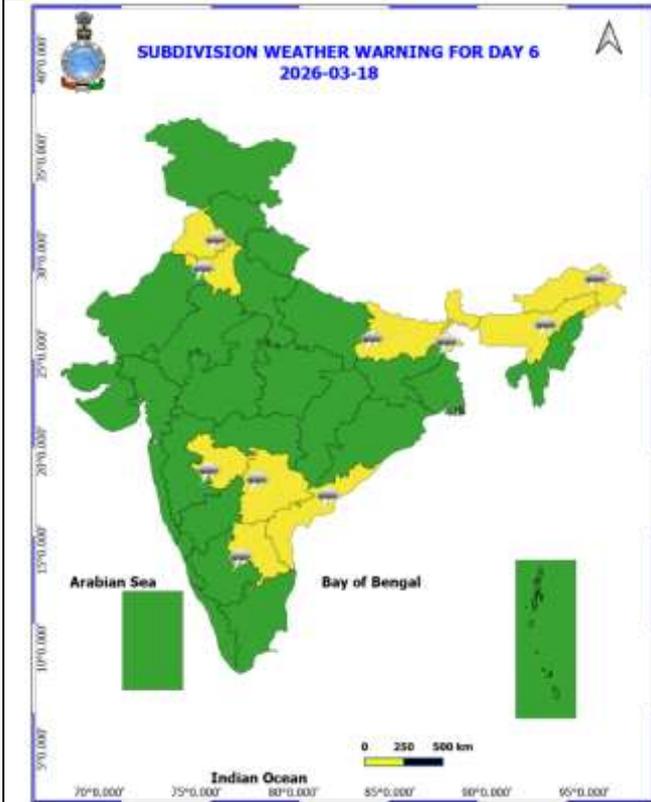
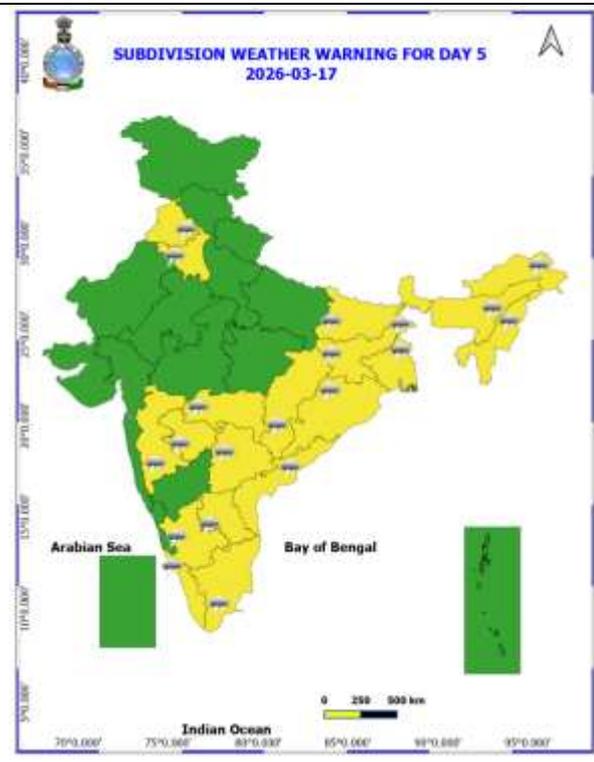
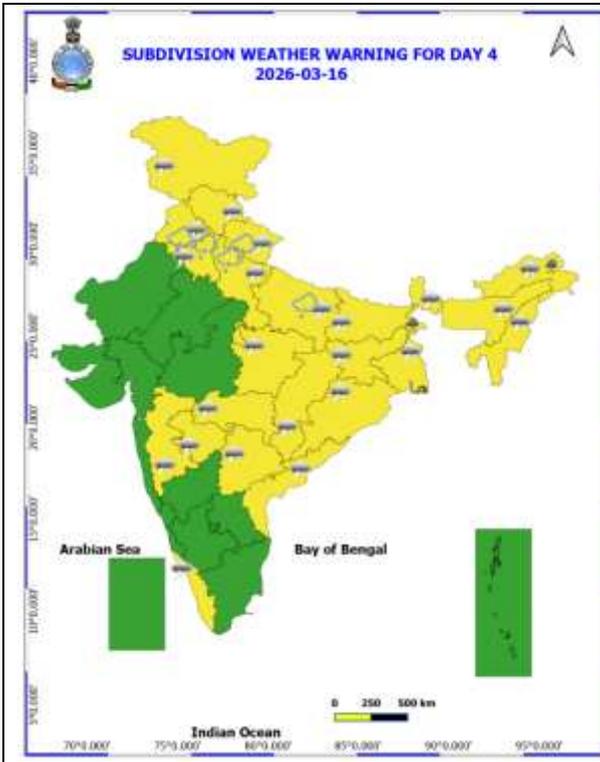
उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: करबल्ला टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 13; हासीमारा (जिला अलीपुरद्वार), गैरकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 12 प्रत्येक; रोंगो (जिला कलिम्पोंग), बनारहाट हाई स्कूल (जिला जलपाईगुड़ी), इंडोंग टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), पलाशबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), ट्रा नागराकाटा (जिला जलपाईगुड़ी), मंगन (जिला मंगन), बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 11 प्रत्येक; भगतपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गंद्रपाड़ा टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), नगरकाटा (जिला जलपाईगुड़ी), जयबीरपारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), सुभासिनी टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10 प्रत्येक; सिंधिक (जिला मंगन), सूर्यसेन महाविद्यालय (जिला दार्जिलिंग), मोगुलकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), झलोंग (जिला कलिम्पोंग) 9 प्रत्येक; चंपासारी (जिला दार्जिलिंग), चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), सिलीगुड़ी पीटीओ (जिला दार्जिलिंग), दीमा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक; जलपाईगुड़ी (जिला जलपाईगुड़ी), चेपन (जिला अलीपुरद्वार), भटकवा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7 प्रत्येक;

असम और मेघालय: बेकी माथुंगरी (जिला बारपेटा), ऐई एनएच जिंग (जिला बोंगाईगांव) 13 प्रत्येक; गोलपारा पीटीओ (जिला गोलपारा), भागमारा (जिला दक्षिण गारो हिल्स) 8 प्रत्येक; बेकी रेलवे ब्रिज (जिला बारपेटा), बजाली एडब्ल्यूएस (जिला बजाली) 7 प्रत्येक; बारपेटा (जिला बारपेटा) 6; मानश एनएच जिंग (जिला बारपेटा), रंगिया (जिला कामरूप (ग्रामीण)), मानिकपुर एआरजी (जिला बोंगाईगांव), पनबारी (जिला चिरांग) 5 प्रत्येक।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	13- Mar	14- Mar	15- Mar	16- Mar	17- Mar	18- Mar	19- Mar
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	WSS	WSS	WSS	WSS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WSS	WSS	WSS	FWS	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT						
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WSS	FWS	FWS	WSS	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	SCT
7	ODISHA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT
9	BIHAR	ISOL	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	FWS	FWS	ISOL	SCT	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	ISOL	FWS	SCT	ISOL	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY						
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY						
23	KONKAN & GOA	DRY						
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL						
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL						
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

13 से 16 मार्च 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-2°C की वृद्धि हुई है और अधिकतम तापमान में 1°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 35-37°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18-20°C की सीमा में रहा। दिल्ली में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) और कुछ स्थानों पर सामान्य से उल्लेखनीय रूप से अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे, साथ ही पश्चिम दिशा से लगातार सतही हवाएं चलीं जिनकी गति 15 kmph तक रही, और कभी-कभी हवा के झोंके 33 kmph तक पहुंचे। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति 12 kmph तक रही।

मौसम पूर्वानुमान:

13.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से उल्लेखनीय रूप से अधिक (3.1°C से 5.0°C) और कुछ अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (5.0°C या उससे अधिक) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य सतही हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 20 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी, और उत्तर-पश्चिम दिशा से इसकी गति 16 kmph से कम हो जाएगी।

14.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 18°C से 20°C की सीमा में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा; और दिल्ली में अधिकतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से होगी, जिसकी रफ्तार 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से बढ़कर 16 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी और उत्तर दिशा से 10 kmph से कम हो जाएगी।

15.03.2026: आसमान आम तौर पर बादलों से घिरा रहेगा। सुबह/दिन के पहले पहर में गरज/बिजली चमकने के साथ बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30°C से 32°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा; और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा से होने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार पूर्व दिशा से बढ़कर 12 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ेगी और उत्तर-पूर्व दिशा से 16 kmph तक पहुँच जाएगी।

16.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 14°C से 16°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा, और अधिकतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से होगी, जिसकी गति सुबह के समय 16 तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 26 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी, और दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी।

बिजली/तेज और तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग गरज के कारण प्रभाव की उम्मीद और कार्रवाई का सुझाव दिया गया

- ❖ 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 16 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड में छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 15 और 16 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में; 14 मार्च को उत्तराखंड में; 13 और 14 मार्च को राजस्थान में; 15 से 19 मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में; 15 और 16 मार्च को उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 13 से 15 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी ओलावृष्टि की संभावना है। 15 मार्च को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 14 से 17 मार्च के दौरान विदर्भ; 15 से 17 मार्च के दौरान ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और तेलंगाना; 13 से 19 मार्च के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 15 से 17 मार्च और 19 मार्च को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल; 15 से 18 मार्च के दौरान बिहार में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और 30-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे खराब होती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

उष्ण लहर/ भीषण उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 मार्च को कुछ इलाकों में भीषण उष्ण लहर की संभावना है।
- ओडिशा में 13 और 14 मार्च को, मध्य प्रदेश, विदर्भ, कोंकण, सौराष्ट्र और कच्छ में 13 मार्च को, और झारखंड में 14 और 15 मार्च को कुछ इलाकों में उष्ण लहर की संभावना है।

पीला चेतावनी वाले क्षेत्र:

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- धूप में निकलने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

भारी/बहुत भारी बारिश के कारण असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 13 से 16 मार्च के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा/बर्फबारी की प्रबल संभावना है, विशेष रूप से 13 मार्च को भारी से बहुत भारी वर्षा/बर्फबारी होने की संभावना है।
- ❖ असम और मेघालय में 13 से 15 मार्च के दौरान तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 और 16 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की प्रबल संभावना है।

असर की उम्मीद

- ऊपर बताए गए इलाके के शहरी इलाकों में, खासकर सड़कों पर पानी भर जाना, निचले इलाकों में पानी भर जाना और अंडरपास बंद हो जाना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी कम हो सकती है।
- सड़कों पर पानी भर जाने से बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आ सकती है, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- कमजोर स्ट्रक्चर को नुकसान होने की संभावना है।
- लोकल लैंडस्लाइड/मडस्लाइड
- कुछ इलाकों में पानी भरने से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी कैचमेंट में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- अपनी डेस्टिनेशन के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम चेक कर लें।
- इस बारे में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइज़री को फॉलो करें।
- उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर पानी भरने की समस्या होती है।
- कमजोर स्ट्रक्चर में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई तथा आलू की खुदाई स्थगित। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का पानी निकालें।
- असम में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का जल निकाल दें।
- मेघालय में, ग्रीष्मकालीन सब्जियों की फसलों के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। बागवानी फसलों को सहारा दें और छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाएं। मटर की फली हरी, कोमल और पूरी तरह विकसित होने पर ही तोड़ें और तोड़ी गई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का जल निकाल दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव

- वाष्पोत्सर्जन में वृद्धि के कारण मृदा में नमी की कमी तथा फसलों की वृद्धि, बीज विकास और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव।
- फसलों की त्वरित परिपक्वता, दानों के भराव की अवधि में कमी और सिकुड़े हुए दाने का बनना, परिणामस्वरूप गेहूं की संभावित उपज में कमी।
- अनाज वाली और अन्य रबी फसलों (जैसे मक्का, ज्वार आदि) में वानस्पतिक से प्रजनन अवस्था के समय नमी तनाव में वृद्धि एवं दानों के भराव में संभावित कमी।
- तिलहनी तथा दलहनी फसलों में फूल झड़ना, फलियों के बनने में विकृति, समय-पूर्व फलियों का सूखना तथा बीज के आकार और वजन में कमी।
- कंद वाली फसलों जैसे आलू इत्यादि में कंद का फुलाव कम होना और पौधे की वृद्धावस्था का शीघ्र आगमन।
- सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पता गोभी और फूलगोभी में फूल झड़ना, फलों का धूप से जलना तथा बिक्री योग्य उपज में कमी।
- बागवानी फसलों (जैसे आम, सेब, संतरा आदि) में फूलों का झड़ना, फल सेटिंग में कमी, समय से पहले फलों का गिर जाना, फलों का धूप से जलना, फलों के आकार में गिरावट, असमान रूप से पकना, स्पंजी टिशू जैसी विकृतियाँ (विशेषकर आम में) तथा कुल उपज और गुणवत्ता में कमी।
- फसलों की जल आवश्यकता में वृद्धि तथा सीमित सिंचाई की स्थिति में जल तनाव का अधिक जोखिम।
- पशुधन तथा मुर्गीपालन में चारे का सेवन में कमी, दूध और अंडा उत्पादन में कमी के साथ-साथ जल आवश्यकता में वृद्धि।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **गुजरात** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), चना, जीरा और सब्जियों की फसलों में सुबह और शाम के समय हल्की सिंचाई करें। सब्जियों में गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाव व मृदा नमी संरक्षण हेतु फसल अवशेषों से मल्टिचिंग करें। सब्जियों की नर्सरी और बागों को गर्म हवाओं से बचाने के लिए भूसे या ज्वार की गीली बोरियों जैसी भौतिक बाधाओं का प्रयोग करें।
- **महाराष्ट्र** के, कोंकण क्षेत्र में, सपोटा, मिर्च, बैंगन और टमाटर को शाम या सुबह के समय हल्की और बार-बार सिंचाई प्रदान करें। आम में समय से पहले फल गिरने और धूप से झुलसने से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें तथा फलों को धूप से झुलसने (सन स्कॉल्ड) से बचाने के लिए कटाई से पहले अखबार के थैलों में पैक (पूर्व-कटाई बैगिंग) करें। **विदर्भ** क्षेत्र में, देर से बोई गई रबी फसलों जैसे गेहूं, मूंगफली, तिल, कुसुम, ज्वार, बागानों और सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पुआल मलच का उपयोग करें।
- **मध्य प्रदेश** में, उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए गेहूं, चना और गन्ने की फसलों में हल्की सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की कटाई सुबह या शाम के समय पूरी करें और फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **छत्तीसगढ़** में, गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें।
- **राजस्थान** में, जीरा, इसबगोल, सरसों तथा चने में सुबह या शाम के समय सुरक्षात्मक सिंचाई प्रदान करें ताकि ताप तनाव कम हो।
- **उत्तर प्रदेश** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), सरसों और चने की फसलों में गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सुबह या शाम के समय हल्की सिंचाई करें।
- **पंजाब** में, सरसों, गोभी सरसों और आलू में सिंचाई द्वारा मृदा में आवश्यक नमी बनाए रखें।

- हरियाणा में, सरसों और चने में फूल आने और फली बनने के समय हल्की सिंचाई करें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था के दौरान मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- हिमाचल प्रदेश में, अत्यधिक गर्मी के कारण गेहूं की फसल की रक्षा के लिए सुबह या शाम के समय सिंचाई करें।
- उत्तराखंड में, गेहूं, चना और मसूर तथा फ्रेंच बीन्स की सिंचाई करें।
- झारखंड में, गेहूं में दाना भरने के चरण में सिंचाई प्रदान करें।
- आंतरिक ओडिशा में, बोरो धान, मूंग, उड़द, सब्जियाँ और बागवानी फसलों में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें।
- खेतों में आवश्यक नमी बनाए रखने हेतु मल्लिचंग, मेंडबंदी करें तथा अनावश्यक इंटरकल्टिवेशन से बचें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- पशुओं को स्वच्छ, साफ-सुथरा एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं और छाया का इंतजाम करें।
- उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

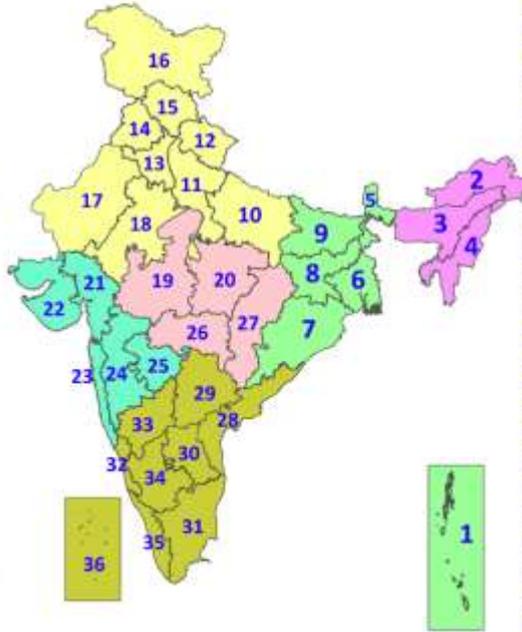
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)